क्रमांक **2132-ज(I)-80/42138.**—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री जागीर सिंह, पुत्र श्री केहर सिंह, गांव अध्योया मस्लमाना, तहसील व जिला अम्बाला, को रबी, 1976 से खरीफ़, 1979 तक 150 रुपये तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं ।

क्रमांक **2134-ज(I)-80/42142.**—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्य पाल श्री श्याम चन्द, पुत्र श्री तुलसा, गांव मकड़ानी, तहसील दादरी, जिला भिवानी, को रबी, 1966 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक तथा खरीफ, 1970 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

दिनांक 4 दिसम्बर, 1980

क्रमांक **2147-ज(I)-80/42531.**—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल निम्नलिखित व्यक्तियों को वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर उन के नाम के सामने दी गई फ़सल तथा राशि एवं सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं :—

क्रमांक	जिला	जागीर पाने वाले का नाम	गांव व पता	तहसील	फ़सल/वर्ष जब से जागीर दी गई	वार्षिक राशि
1	2	3	4	5	6	7
						रुपये
1	भिवानी	श्री बूज लाल, पुत्र श्री जै किशन	बालरोड़	दादरी	रबी, 1976 से खरीफ़, 1979 तक	150
					रबी, 1980 से	300
2	,,	श्रीमती सोना, विधवा श्री पोहकर राम	सहरीयारपुर	लोहारू	रबी, 1977 से खरीफ़, 1979 तक	150
					रबी, 1980 से	300
3	,,	श्री होशियार सिंह, पुत्र श्री खुशी राम	डोहकी	दादरी	रबी, 1975 से खरीफ़, 1979 तक	150
					रबी, 1980 से	300

रघुनाथ जोशी,
विशेष कार्य अधिकारी, हरियाणा सरकार,
राजस्व विभाग ।

DEVELOPMENT AND PANCHAYATS DEPARTMENT

The 15th December, 1980

No. EI-Pts-243.—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 4 and section 5 of the Punjab Gram Panchayat Act, 1952 (Punjab Act 4 of 1953) and all other powers enabling him in this behalf, and in supersession of all the previous notifications issued in this behalf, the Governor of Haryana hereby declares the village or group of villages specified in column 2 of the Schedule given below to be Sabha Areas and establishes a Gram Panchayat for every Sabha Area by the name specified against each in column 5 of the said Schedule which shall consist

of such number of Panches, including Sarpanch, as specified against each Gram Panchayat in column 6 thereof out of which the number of Panches belonging to the Scheduled Castes shall be mentioned in column 7 of the said Schedule: —

SCHEDULE

Serial No.	Name (s) of village (s) constituting Sabha Area	Tehsil	District	Name of Gram Panchayat	No. of Panches including Sarpanch	No. of Panches belonging to the Scheduled Castes
1	2	3	4	5	6	7
23	Ramgarh, Bagunwala, Bir-Baraban	Jind	Jind	Ramgarh	6	1
23-A	Dhani Ramgarh	Jind	Jind	Dhani Ramgarh	5	1

SUKHDEV PRASAD, Secy.

ARCHAEOLOGICAL DEPARTMENT

The 13th November, 1980

No. 4/66-80-Ed. II(3).—In exercise of the powers conferred by section 4 of the Punjab Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 and all other powers enabling him in this behalf, the Governor of Haryana hereby proposes to declare the ancient and historical monuments specified in column 2 of the Schedule given below as protected monuments and the archaeological sites and remains specified in column 3 of that Schedule to be protected area.

SCHEDULE

Serial No.	Names of ancient or historical monuments	Names of archaeological sites and remains	Name of Tehsil	Village	District	Revenue plot No. to be included under protection		Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7		8	9
						Killa No.	Kanal		
1	Dehra Mandir	Dehra Mandir	Ferozepur Jhirka	Bhond	Gurgaon	16/21	8.00	Samlat Deh common land of the village	Hilly area and building of temple
					Total	..	8.00		

2. Notice is hereby given that the proposal will be taken into consideration by the Government on or after the expiry of a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette together with objections or suggestions, if any, which may be received by the Commissioner and Secretary to Government, Haryana, Archaeology Department, Chandigarh from any person with respect to the proposal before the expiry of the period so specified.

J. D. GUPTA, Secy.